केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 187 शुक्रवार 31 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कुंभ में बस्ती की दो महिलायें लापता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज के रतास गांव से प्रयागराज महाकुंभ स्नान करने गए दल के साथ शीला देवी गई हैं। वह साथियों से बिछड़ गई हैं। इसकी सूचना साथ में गए संजय ने परिजनों को दी। शीला देवी के लापता होने की सूचना से परिजन परेशान हैं। प्रयागराज में हुई भगदड़ में कई लोगों के घायल और मौत होने की सूचना पर परिजनों की परेशानियां और बढ़ गई हैं। शीला देवी के पुत्र ओमचौधरी ने कप्तानगंज पुलिस को शीला देवी के बारे में सूचना देकर सहयोग मांगा है। रुधौली थानाक्षेत्र के पचारीकला ग्राम पंचायत स्थित राजस्व गांव कुड़िया बाजार की रहने वाली राजमती (60) अपनी बेटी उषा के साथ महाकुंभ स्नान करने के लिए निकलीं। वे अपने ग्राम पंचायत पचारी कला से जा रहे दल के साथ रवाना हुईं। बुधवार सुबह राजमती अपने दल के साथ संगम की ओर स्नान करने जा रही थी। इसी दौरान वह दल से बिछड़ गईं। बेटी उषा ने इसकी जानकारी भाई रमेश को दी। उन्होंने खायो–पाया सेंटर पर राजमती के लापता होने की सूचना दर्ज कराई है। समाचार लिखे जाने तक उनका पता नहीं चल पाया था।

बस की चपेट में आये साईकिल सवार की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के कलवारी–टांडा मार्ग पर नगर थानाक्षेत्र के खुटहन के पास गुरुवार की सुबह बस की चपेट में आकर साइकिल सवार व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि इसी थानाक्षेत्र के मरवटिया निवासी शिवकुमार गुरुवार की सुबह किसी काम से खुटहन आए थे। यहां से वह मरवटिया की तरफ साइकिल से जा रहे थे। तभी पीछे से आई एक बस ने खुटहन के पास उन्हें ठोकर मार दी। हादसे में गंभीर चोट आने से शिवकुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। थानाध्यक्ष ने बताया कि ठोकर मारने वाली बस को ट्रेस किया जा रहा है।

शहादत दिवस पर बापू को किया नमन्

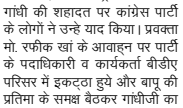

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, । राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की शहादत पर कांग्रेस पार्टी के लोगों ने उन्हे याद किया। प्रवक्ता मो. रफीक खां के आवाहन पर पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता बीडीए परिसर में इकट्ठा हुये और बापू की प्रतिमा के समक्ष बैठकर गांधीजी का प्रिय भजन "रघुपति राघव राजाराम" गाया। मो. रफीक खां ने कहा पूरा देश गांधीजी की शहादत को याद कर रहा है। इसी दिन बिड़ला हाउस में शाम 5.17 बजे नाथूराम गोडसे ने उनकी निर्मम हत्या की थी। वह देश का पहला आतंकवादी था जिसने सत्य और अहिंसा का उपदेश देने वाले महात्मा को मौत के घाट उतार दिया। गांधीजी रोज की तरह बिड़ला हाउस में प्रार्थना सभा करने जा रहे थे। नेताजी सुबाष चन्द्र बोस ने उन्हे राष्ट्रपति की उपाधि दी थी। गांधीजी के शहादत दिवस पर बीडीए परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जयंत चौधरी, अवधेश सिंह, गंगा मिश्रा, गिरजेश पाल, संदीप श्रीवास्तव, बृजेश पाण्डेय, लालजीत पहलवान, रामबचन भारती, डीएन शास्त्री, मंजू पाण्डेय, राजेश चौधरी, लक्ष्मी यादव, शौकत अली नन्हू, गुड्डू सोनकर, मो. अशरफ अली, अलीम अख्तर, डा. वाहिद सिद्दीकी, मदनलाल मद्धेशिया, राजबहादुर निषाद, सोमनाथ संत, आशुतोष पाण्डेय एडवोकेट, मो. अकरम, आनंद निषाद, इंजी. चन्द्रशेखर वर्मा, विजय चौधरी, नफीस अहमद, सुधीर यादव, उमाशंकर त्रिपाठी, मनीष श्रीवास्तव, संदीप यादव आदि उपस्थित थे।

बजट सत्र में आएगा वक्फ बिल

नई दिल्ली (आभा)। बजट सत्र में पेश होने वाले विधेयकों की सूची सामने आ गई है। वक्फ संशोधन बिल उस सूची में सातवें नंबर पर है। यानी तय हो गया है कि वक्फ संशोधन बिल को सरकार इसी बजट सत्र में पेश करेगी। इससे पहले आज ही वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के सदस्यों और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के बीच बैठक हुई। विधेयक पर अंतिम रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंप दी गई है। ज्ञापन देने के दौरान जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल और समिति के सदस्य निशिकांत दुबे, तेजस्वी सूर्या, संजय जयसवाल

और अन्य उपस्थित थे। रिपोर्ट पेश करने के दौरान कोई भी विपक्षी सदस्य मौजूद नहीं था।

रिपोर्ट सौंपने के बाद, जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने विधेयक के निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए समिति के सदस्यों की सराहना की। पाल ने कहा कि पिछले 5 महीनों में समिति ने कई बैठकें कीं और देश भर में सैकड़ों प्रतिनिधि मंडलों से मुलाकात की, उन्होंने कहा कि विस्तृत विचार–विमर्श और कई जिरहों के बाद एक रिपोर्ट बनाई गई है।

सांसद जगदम्बिका पाल ने बताया कि उन्होंने पिछले पांच महीनों में, 38 बैठकें कीं 250 प्रतिनिधि मंडलों और सदस्यों से मुलाकात की, पूर्व न्यायाधीशों, कुलपतियों से मुलाकात की। हमने कई लगातार यात्राएं कीं और कई राज्यों का दौरा किया। जेपीसी के सभी सदस्यों ने विधेयक के निर्माण में अपना योगदान दिया है।

अमेरिका में विमान हादसाः 64 के मौत की आशंका

वाशिंगटन (आभा)। अमेरिका में राजधानी वाशिंगटन के पास हुए अमेरिकन एयरलाइंस के विमान और सेना के हेलीकॉप्टर की टक्कर से हुए हादसे में किसी के भी जिंदा बचे होने की उम्मीद नहीं है। अग्निशमन विभाग के अधिकारी अब बचाव के बाद रिकवरी अभियान में जुट गए हैं। वहीं इस दौरान एयरलाइंस के जेट से टकराने वाले हेलीकॉप्टर का मलबा भी बरामद हुआ है।

वाशिंगटन के पास रोनाल्ड रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते समय 60 यात्रियों और चार चालक दल के सदस्यों को ले जा रहे अमेरिकन एयरलाइंस के जेट के सेना के हेलीकॉप्टर से टकराने के बाद पोटोमैक नदी के बर्फीले पानी से कम से कम 28 शव निकाले गए। अमेरिकन एयरलाइंस के प्रमुख ने कहा कि 'हमें नहीं पता कि' टक्कर से पहले सैन्य हेलीकॉप्टर यात्री जेट के रास्ते में क्यों आ गया।

महाकुंभ में मौतों के बाद मुख्य सचिव और डीजीपी ने किया निरीक्षण

प्रयागराज (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रयागराज पहुंचे मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार ने गुरुवार को मेला क्षेत्र का भ्रमण कर हाल जाना। दोनों आलाधिकारी सबसे पहले झूंसी गए और वहां की स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद संगम नोज पहुंचे जहां खंभा नंबर 157 के पास गए और मौनी अमावस्या की रात भगदड़ कैसे हुई इसकी पूरी जानकारी डीएम महाकुम्भ विजय किरन आनंद से ली।

अधिकारियों ने पास ही बने टावर पर चढ़कर संगम नोज की व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान मुख्य सचिव, एडीजी, डीएम महाकुम्भ व पुलिस के दो अफसर मौजूद रहे। यहां पर लगभग 20 मिनट अधिकारी रहे। मौनी अमावस्या की रात भीड़ कैसे आई और किस समय, क्या स्थिति थी, भीड़ का दबाव कब और कैसे बढ़ता रहा, इसकी पूरी जानकारी ली। इसके बाद अफसरों ने आईट्रिपलसी में मातहतों के साथ बैठक कर वसंत पंचमी के स्नान को लेकर जरूरी निर्देश दिए।

दोनों आला अधिकारी परेड मैदान में बनाए गए केंद्रीय अस्पताल भी गए और वहां व्यवस्था को देखा। बाद में स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय पहुंचे और भगदड़ के घायलों से मिलकर उनका हाल जाना। साथ ही सभी का उचित उपचार करने के लिए चिकित्सकों को निर्देश दिए। इसके बाद नैनी जाकर बस अड्डे को देखा।इस दौरान शासन के निर्देश पर प्रयागराज में मंडलायुक्त रह चुके उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल और पूर्व में प्रयागराज के जिलाधिकारी रहे राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी भी आ गए हैं। दोनों ही अधिकारियों को सहयोग के लिए भेजा गया है, जिससे अगले दो स्नान पर्वों पर कोई कमी न रहे। पांच विशेष अधिकारी भी शाम को प्रयागराज पहुंच गए।

महाकुंभ में फिर भीषण आग, कई कॉटेज जले

प्रयागराज (आभा)। झूंसी के छतनाग घाट की तरफ नागेश्वर पंडाल में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। कई टेंट आग के हवाले हो गई हैं। बताया जा रहा है कि मौके पर 10 से 15 पंडाल थे जो पूरी तरह से जल गए। गनीमत रही कि कोई बड़ी जनहानि की घटना सामने नहीं आई है। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची आग जिस जगह पर लगी है, वहां कोई पब्लिक नहीं थी, इसलिए किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। सीनियर अफसर भी घटनास्थल पर पहुंचे। फिलहाल, आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया है।गौरतलब है कि इससे पहले 19 जनवरी को गोरखपुर के गीता प्रेस के शिविर में आग लगी थी। तब डेढ़ सौ ज्यादा कॉटेज जलकर खाक हो गए थे। गीता प्रेस का शिविर शास्त्री ब्रिज के पास सेक्टर 19 में लगा था। तब प्रशासन ने छोटे सिलेंडर में रिसाव को आग का कारण बताया था। हालांकि गीता प्रेस वालों ने बाहर से आई आग को कारण बताया था।

बहादुरपुर क्षेत्र पंचायत की बैठक में श्रमिक बजट के लिए 35 करोड़ का प्रस्ताव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कलवारी, बस्ती। विकास क्षेत्र बहादुरपुर के ब्लाक सभागार में वृहस्पतिवार को क्षेत्र पंचायत की बैठक ब्लाक प्रमुख रामकुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष हेतु श्रमिक बजट हेतु 35 करोड़ का ग्राम प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने प्रस्ताव दिया, जिसे स्वीकार किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रमुख प्रतिनिधि कंके दूबे ने ब्लाक कर्मियों को निर्देश दिया कि सदस्यों द्वारा दिये गये प्रस्ताव को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकार किये जाय। जिससे आगामी वर्ष में श्रमिको को रोजगार देने में समस्या न हो। इस दौरान केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा गरीबो के लिए चलाये जा रहे योजनाओं को पात्रो तक पंहुचाने पर जोर दिया।

बीडीओ विनय कुमार द्विवेदी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास के लिए सर्वे चल रहा इसमें आप सभी जन प्रतिनिधि प्रयास करें कि कोई भी पात्र छूटने न पाये। सर्वे में शामिल नामों को ही आवास मिल पायेगा। सचिवों को निर्देशित किया कि निर्धन परिवार का सर्वे कार्य शीघ्र पूरा करायें। उन्होने प्रधानो और क्षेत्र पंचायत सदस्यों से फार्मर रजिस्ट्री कराने में भी सहयोग मागा। श्रमिक बजट प्रस्ताव के लिए आयोजित बैठक में ग्राम प्रधानों की उदासीनता सामने आयी। ब्लाक क्षेत्र के 86 ग्राम प्रधानों में सिर्फ 26 प्रधान ही मौजूद रहे।

बैठक को एडीओ पंचायत अवधेश कुमार, एडीओ एजी दीनानाथ मिश्र, सीडीपीओ शिखा मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य अनिल भारती, प्रधान संघ अध्यक्ष अरविंद सिंह ने भी संबोधित किया। संचालन एडीओ आइएसबी राम प्रकाश त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम समापन के बाद सदन में मौजूद सदस्यों ने महाकुम्भ में भगदड़ के दौरान अपनी जान गवांने वाले श्रद्धालुओं के लिए मौन रखकर श्रद्धांजलि दिया। बैठक में अरूण कुमार, शमशेर खान, नूर मोहम्मद, महेन्द्र कुमार, विनोद चौधरी, अजय ओझा, राजदेव, कृष्ण मुरारी उपाध्याय, आनंद तिवारी, चंदन सिंह, करूणेश मिश्र, शीतला प्रसाद यादव, अवनीश मिश्र, मधुलेश, माता प्रसाद ओझा, सत्यम पाण्डेय, राहुल यादव आदि मौजूद रहे।

तालाब से युवक का शव बरामद

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बनकटी (बस्ती)। गुरुवार की सुबह मुंडेरवा थाना क्षेत्र के जोगिया गाँव के तालाब के पास गए गाँव के कुछ लोगो ने तालाब में एक शव देखा।शोर मचाने पर तालाब पर पहुँचे गांव के अन्य लोगो द्वारा इसकी सूचना मुंडेरवा पुलिस को दी गई। वही मौके पर पहुचे मुंडेरवा थानाध्यक्ष द्वारिका प्रसाद चौधरी मय टीम ने शव को तालाब से बाहर निकलवाया। उसकी पहचान इसी गांव के 19 वर्षीय मदन कुमार पुत्र चंद्रिका के रूप में हुई।

वहीं स्वजन ने बताया कि मदन मेहनत मजदूरी करता था।वह बुधवार की सायं को थाना क्षेत्र के सिकरापठान गांव में मजदूरी कर घर वापस आया।

फिर सायं सात बजे दो हजार रुपये और साइकिल लेकर कही गया फिर वापस नही आया। और सुबह शव तालाब में मिला। घटना को लेकर तरह–तरह की चर्चा और आशंकायें हैं।

वही स्वजन मदन की हत्या कर शव को तालाब में फेकने की बात कर रहे है।वहीं घटना स्थल पर पहुँची क्षेत्राधिकारी स्वर्णिमा सिंह ने परिजनों व आसपास के लोगो से घटना के बारे में जानकारी ली।

क्षेत्राधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए बस्ती भेज दिया गया है। तहरीर मिलने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी।

महाकुंभ से लौट रही बस में डीसीएम ने मारी ठोकर, महिला की मौत, पांच की हालत नाजुक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रयागराज महाकुंभ से लौट रही श्रद्धालुओं से भरी रोडवेज बस्ती जिले में बस्ती–रुधौली मार्ग पर वाल्टरगंज थानाक्षेत्र के पुरैना गांव के पास गुरुवार की सुबह दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घने कोहरे के चलते पुरैना में खड़ी रोडवेज बस में पीछे से एक डीसीएम ने ठोकर मार दी। हादसे में बस में सवार चार महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। थानाध्यक्ष उमाशंकर तिवारी ने बताया कि घायलों को तत्काल एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भिजवाया गया। हादसे में बस में सवार चार महिलाएं व डीसीएम सवार दो लोगों घायल हुए हैं। गंभीर रूप

से घायल एक बुजुर्ग महिला की जिला अस्पताल में मौत की सूचना मिल रही है। इसकी पुष्टि थाने से पुलिस टीम पहुंचने के बाद ही हो सकेगी। मृतक महिला सिद्धार्थनगर की रहने वाली बताई जा रही है।

बताया जा रहा है कि प्रयागराज से सिद्धार्थनगर जा रही रोडवेज बस में सवार यात्री बस्ती वाल्टरगंज के पुरैना के पास चाय पीने के लिए रूके थे। इस बीच छाए घने कोहरे के कारण बस में पीछे से जाकर एक डीसीएम टकरा गई। तेज ठोकर लगने से बस आगे डिवाइडर से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। बस में सवार चार महिला यात्री गंभीर रूप से घायल हो गईं। जबकि डीसीएम चालक हादसे के बाद भाग निकला। डीसीएम में सवार दो अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया। सड़क से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात बहाल कराया गया। घायलों में एक बुजुर्ग महिला की मौत जिला अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। जबकि अन्य का इलाज चल रहा है।

मण्डलायुक्त ने किया निर्माण कार्यों की समीक्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । 50 लाख से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं (सड़कों को छोड़कर) की समीक्षा मंडलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में संपन्न हुई। उन्होंने विभागवार संचालित परियोजनाओं की प्रगति के बारे में संबंधित विभाग के अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से जानकारी ली। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि निर्धारित समय सीमा में कार्य को पूर्ण कराएं इसमें शिथिलता पाये जाने पर सम्बन्धित की जिम्मेदारी तय करते हुए विभागीय कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सीएमआईएस पोर्टल पर आंकड़ों को अद्यतन रखा जाए, जिससे जिले की रैंकिंग प्रभावित न हो। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को यह भी निर्देश दिया कि अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष शतप्रतिशत प्रगति करना सुनिश्चित करें।

बैठक में उन्होंने पाया कि बस्ती में 189 के सापेक्ष 106, संतकबीरनगर में 115 के सापेक्ष 38, सिद्धार्थनगर में 226 के सापेक्ष 83 कार्य पूर्ण हो चुके हैं। निर्माणाधीन सड़क परियोजनाओं, पूर्वांचल विकास निधि की समीक्षा करते हुए उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

टोल प्लाजा पर मनमानी के विरोध में सरदार सेना ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरुवार को टोल प्लाजा पर जबरन वसूली, मनमानी और यात्रियों के साथ अभद्रता किये जाने के मामलों को लेकर सरदार सेना के जिलाध्यक्ष विनय चौधरी और बस्ती सदर विधानसभाध्यक्ष आकाश पटेल के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को 6 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि टोल प्लाजा पर मनमानी को रोकवाया जाय।

ज्ञापन देने के बाद चौधरी बृजेश पटेल ने बताया कि बस्ती जनपद में तीन–तीन टोल प्लाजा बना हुआ है । आये दिन यू.पी. 51 वाले वाहनों, स्थानीय जनता से टोल प्लाजा पर जबरिया वसूली की जा रही है। नियम बताने पर टोल कर्मियों द्वारा लोगों से अभद्र व्यवहार किया जाता है। सरदार सेना के जिलाध्यक्ष विनय चौधरी ने कहा कि जनपद में एक ही टोल प्लाजा होना चाहिये। इसकी जांच कराकर अन्य दो टोल प्लाजा को बंद कराया जाय। कहा कि लोग अगर टोल क्रास कर जाते हैं तो रात में मैसेज आता है कि टोल कर गया। छात्र नेता दूधनाथ पटेल ने मांग किया कि टोल प्लाजा पर मनमानी बंद कराया जाय। बृजेश पटेल ने बताया कि डीएम ने आश्वासन दिया है कि मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जायेगी।

टोल प्लाजा के समस्या समाधान की मांग को लेकर ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से बंशीलाल, अखिलेश प्रजापति, अभिषेक चौधरी, आकाश पटेल, लवकुश चौधरी, मनीष चौधरी, प्रशान्त वर्मा, प्रदीप चौधरी, अमित चौधरी, सर्वेश चौधरी, शिवा चौधरी, सूर्यनाथ, राजू, मोतीलाल, वीरेन्द्र, राम हरख आदि शामिल रहे।

ब्लाक स्तरीय कार्यशाला में दिया एचआइवी, एड्स से बचाव की जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी लखनऊ के सहयोग एवं दिशा निर्देशन में दिशा यूनिट द्वारा मेनस्ट्रीमिंग के अंतर्गत एचआइवी, एड्स विषय पर ब्लॉक स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन विभिन्न विभागों के साथ विकासखंड हर्रैया, कप्तानगंज, विक्रमजोत, दुबौलिया एवं कुदरहा में सम्पन्न कराया गया ।

कार्यशाला में प्रथम बैच– बाल विकास परियोजना अधिकारी, मुख्य सेविका तथा आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वितीय बैच– आशा बहुओं, एएनएम तथा ब्लाक स्तरीय सुपरवाइजर एवं तृतीय बैच– ग्राम पंचायत विकास अधिकारी तथा प्राथमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के साथ एचआइवी एड्स जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुदरहा के समागार में मुख्य चिकित्सा अधिकारी की ओर से मास्टर ट्रेनर के रूप में नामित अंबुज कुमार यादव ने उपस्थित 89 आशा, एएनएम तथा ब्लॉक स्तरीय सुपरवाइजर को एचआईवी, एड्स के प्रति जागरूक किया गया । मास्टर ट्रेनर ने एचआईवी एड्स रोकथाम एवं नियंत्रण अधिनियम, 2017 के संबंध में विशेष जोर दिया ।

बताया कि यह अधिनियम संक्रमित तथा प्रभावित आबादी के मानवाधिकारों की सुरक्षा के लिए एक कानूनी और सक्षम ढांचा प्रदान करता है। इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य एचआईवी से पीड़ित और प्रभावित लोगों को सुरक्षा प्रदान करना है। इस अधिनियम में रोजगार और स्वास्थ्य सेवा की प्राप्ति के लिये पूर्व शर्त के रूप में एचआइवी परीक्षण को निषेध किया गया है। एचआईवी संक्रमित लोगों के खिलाफ नफरत फैलाते व भेदभाव करते पाए गए लोगों को कम से कम तीन महीने की कैद की सजा सुनाई जा सकती है और जिसे दो साल तक बढ़ाया जा सकता है तथा उन्हें एक लाख रुपये तक के जुर्माने से भी दंडित किया जा सकता है। एचआईवी एड्स के जागरूकता को लेकर विभिन्न सरकारी विभागों के आपसी समन्वय पर जोर दिया गया ।

दिशा यूनिट के सीपीएम अखिलेश सिंह ने कहा कि एचआईवी संक्रमण से बचाव व नियंत्रित करने के उद्देश्य से संचालित मेनस्ट्रीमिंग के अंतर्गत एचआईवी, एड्स जागरूकता अभियान के महत्व को बताया ।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुदरहा के एमओआईसी डाक्टर फैज वारिस ने बताया कि जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्साधिकारी के निर्देशन एवं यूपीसैक के सहयोग से जनपद के 5 विकास खंडों में एच.आई.वी., एड्स एवं यौन रोगों के प्रति ब्लॉक स्तरीय जागरूकता बैठक का संचालन किया जा रहा है। बताया कि लोगों को इस बीमारी के लक्षण और बचाव तथा फैलने के कारणों के बारे में जानकारी होना आवश्यक है और हर व्यक्ति को समय–समय पर अपनी एचआईवी जांच करवानी चाहिए।

मोहम्मद अशरफ, प्रिया पाण्डेय, सानू गुप्ता ने बताया कि जिले में गर्भवती स्त्रियों की एचआईवी जांच विशेष रूप से की जाती है। उन्होंने बताया कि हम सभी को समाज के प्रति अपना कर्तव्य निर्वहन करते हुए हर व्यक्ति को एचआईवी की जानकारी देना और जांच के प्रति प्रेरित करना होगा। खुशबू, सुमन, सुधेनद्र पाठक, कंचन, दया शंकर आदि उपस्थित रहे ।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 31 जनवरी 2025 शुक्रवार

सम्पादकीय

महाकुंभ की कुव्यवस्था से उठते सवाल

महाकुंभ में हुई मौतों ने प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है। जिस प्रकार से 30 मौतों के बाद भी कुंभ में अव्यस्था की स्थितियां सामने आ रहीं हैं, आरोप लग रहे हैं कि सरकार मौतों की संख्या को छिपा रही है। गुम हुये लोगों की खोजबीन नहीं हो पा रही है, यह स्थितियां दुःखद हैं। प्रयागराज आने वाले सभी श्रद्धालु महत्वपूर्ण हैं। वीआईपी सेवा पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा देना चाहिये। बड़ी उम्मीद थी कि तैयारियों को देखते हुये इस बार का कुंभ मेला निर्विघ्न सम्पन्न हो जायेगा किन्तु ऐसा नहीं हुआ। अच्छा हो कि सरकार और तंत्र से जुड़े लोग श्रद्धालुओं का भरोसा जीते।

महाकुंभ में मची भगदड़ ने पुराने जख्मों को कुरेद दिया है। आजादी के बाद से लेकर अब तक के कुंभ मेलों में कई बार भगदड़ मची है। सैकड़ों लोगों की मौत भी हुई, लेकिन उन सभी हादसों से कभी सबक नहीं लिया गया। हर बार कोई न कोई लापरवाही या व्यवस्था में खामी ही सामने आई। ज्यादातर मामलों में प्रशासन भीड़ को काबू करने में नाकाम रहा। पिछले कुंभ में भी यही हुआ था, जब बड़ी संख्या में प्रयागराज पहुंचे श्रद्धालुओं को रेलवे और जिला प्रशासन संभाल नहीं पाया। स्टेशन पर बने 'फुटब्रिज' पर भगदड़ मची और बयालीस लोगों की मौत हो गई थी। इस बार भी ऐसा ही हुआ। जरूरत इस बात की है कि सरकार श्रद्धालुओं का भरोसा जीते।

महाकुंभ की सुरक्षा संभाल रहे जिम्मेदार लोगों को पता था कि मौनी अमावस्या पर बड़ी संख्या में लोग स्नान के लिए आएंगे, तो इसकी व्यवस्था उसी के अनुरूप क्यों नहीं की गई। स्पष्ट है कि भीड़ प्रबंधन के ठोस उपाय नहीं किए गए। कोई ज्यादा दिन नहीं हुए, जब कुंभ मेला क्षेत्र में आग लगने की घटना हुई थी। तब से वहां सुरक्षा बंदोबस्त बढ़ा दिए गए थे। ऐसे में लाखों–करोड़ों लोगों के जुटान को देखते हुए कई स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था करने की आवश्यकता थी।

यह दुखद है कि हर कुंभ मेले के आयोजन के बाद और बेहतर तैयारियां तथा सुरक्षा प्रबंध पुख्ता करने के दावे किए जाते हैं। मगर हादसे नहीं थमते। इस बार महाकुंभ से पहले ही अनुमान लगाया जा रहा था कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम स्थल पर पहुंचेंगे। कुंभ मेला स्थल तैयार करते समय अनुभवी अधिकारियों को क्या अनुमान नहीं था कि इस बार बेहिसाब भीड़ पहुंचेगी? जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं और जो आंकड़े दिए जा रहे हैं, उस हिसाब से तो कुंभ परिसर और नदी के तट अपर्याप्त हैं।

इस समय उत्तर प्रदेश सरकार का पूरा अमला आयोजन को सफल बनाने में जुटा है। फिर भी कहां कमी रह गई, यह सवाल स्वाभाविक है। संगम पर लगातार भीड़ बढ़ने और उस पर नियंत्रण के लिए पहले से आकलन क्यों नहीं किया गया? यह सुरक्षाकर्मियों की भी लापरवाही है, क्योंकि वे समय पर संकट को भांप नहीं पाए।

मंगलवार और बुधवार की दरम्यानी रात भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 90 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। इस बीच विपक्षी दलों को भी आयोजन में बदइंतजामी का आरोप लगाने का स्वाभाविक अवसर मिल गया है, लेकिन इसी के साथ यह सवाल उठना लाजिमी है कि तैयारियों में कमी कहां रह गई। इस आयोजन के लिए कई हजार करोड़ की राशि खर्च की गई। अत्यधिक प्रचार का असर यह हुआ कि देश के कोने–कोने में रह रहे श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान करने का मानस बना लिया।

नतीजा यह हुआ कि लाखों–करोड़ों लोग अलग–अलग परिवहन साधनों से संगम की ओर चल पड़े। तेरह जनवरी से शुरू हुए इस आयोजन के शुरुआती दौर में ही लाखों श्रद्धालुओं का जुटान होने लगा था। ऐसे में इतने लोगों के लिए पूरे शहर और मेला क्षेत्र में ठहरने के वैकल्पिक प्रबंध करने की आवश्यकता थी। इससे श्रद्धालु एक निश्चित संख्या में क्रम से संगम की ओर जाते और वहां से निकलते जाते, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और सभी इंतजाम धरे के धरे रह गए। करोड़ों की भीड़ को संभालने के लिए सात स्तरीय सुरक्षा भी काम नहीं आई। फिलहाल यह हादसा एक बार फिर कड़ा सबक दे गया है।

प्रयागराज महाकुंभ के हादसे का जिम्मेदार कौन?

– कमलेश पाण्डेय–

प्रयागराज महाकुंभ के दौरान मौनी अमावस्या ब्रह्ममुहूर्त स्नान से ठीक पहले संगम नोज पर जुटी बेकाबू भीड़ की आपाधापी से जो भगदड़ मची और हृदय विदारक घटना घटी, उससे सनातन धर्म पुनः कलंकित हुआ है। इस अप्रत्याशित हादसे से एक बार फिर हमारा 'धर्म अनुशासन' सवालों के घेरे में आ चुका है। साथ ही साथ भीड़ प्रबंधन सम्बन्धी प्रशासनिक तैयारियां भी, जिसको लेकर लाख प्रशासनिक दावे होते रहे हैं, जबकि एकाध घटनाएं ही उसकी तैयारियों की पूरी पोल खोल देती हैं। इसलिए सुलगता सवाल है कि प्रयागराज महाकुंभ में भीड़ प्रबंधन की विफलता से हुए हृदयविदारक हादसे के लिए जवाबदेह कौन है? जिम्मेदार कौन है? आखिर ब्रेक के बाद जहां–तहां होते रहने वाली ऐसी रूह कंपा देने वाली घटनाओं को रोकने में हमारा प्रशासन अबतक नाकाम क्यों है और वह कबतक सक्षम हो पाएगा? या फिर कभी नहीं हो पाएगा, क्योंकि ऐसे मामलों में उसका ट्रैक रिकॉर्ड हमेशा खराब प्रतीत हुआ है।

फिलवक्त योगी सरकार ने प्रयागराज महाकुंभ हादसे की न्यायिक जांच करवाने के आदेश दे दिए हैं, ताकि यह पता चल सके कि इतनी बड़ी प्रशासनिक चूक कैसे हुई और उसके लिए कौन–कौन लोग जिम्मेदार हैं? क्योंकि इतने महत्वपूर्ण वैश्विक आयोजन में पहले हुई अग्निकांड की घटनाएं और फिर अनियंत्रित भीड़ से मची भगदड़ के चलते वहां की पूरी प्रशासनिक तैयारी भी एक बार पुनः सवालों के घेरे में आ चुकी है। कहना न होगा कि वहां जो कुछ भी हुआ, वह भीड़ प्रबंधन सम्बन्धी प्रशासनिक विवेक के अकाल का परिचायक तो है ही, साथ ही साथ उसके त्वरित निर्णय लेने की क्षमता की अक्षमता को भी उजागर कर चुका है। जबकि वहां सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन और हेलीकॉप्टर तक से निगरबानी हो रही है, ताकि त्वरित निर्णय लेते हुए स्थिति पर काबू पाया जा सके।

वहीं, सवाल यह भी है कि इस हादसे के बाद आवागमन व वीआईपी व्यवस्था सम्बन्धी जो नीतिगत बदलाव किए गए, वह पहले ही क्यों नहीं किए गए? चूंकि महाकुंभ सम्बन्धी तैयारियां महीनों पहले से चल रही थीं और करोड़ों लोगों के जुटने के पूर्वानुमान भी लगाए जा चुके थे। फिर भी वहां हुई प्रशासनिक तैयारी तो नाकाफी लगी ही, साथ ही साथ श्रद्धालुओं के लिए कष्ट प्रदायक भी महसूस हुई। क्योंकि उनमें बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और विकलांग लोगों की सहूलियत का कोई ख्याल नहीं रखा गया था। इसलिए हताहतों व घायलों की सूची में उनकी संख्या ज्यादा है।

स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, इस घटना में जहां लगभग 30 श्रद्धालुओं को श्अमरत्वश यानी देवलोक प्राप्त हो गया, वहीं लगभग 100 लोग कुचल जाने के कारण घायल हो गए, जिनका इलाज स्थानीय अस्पताल में किया जा रहा है। वहीं, मृतकों के शवों को पाने में भी परिजनों को काफी तकलीफें उठानी पड़ी हैं। जबकि इस भगदड़ में बिछुड़े हुए परिजनों की जो व्यथा–कथा दिखाई सुनाई पड़ी, वह भी विचलित करने वाली है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस दुःखद घटना ने जहां यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हृदय को द्रवित कर दिया, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी भावुक नजर आए। हालांकि, योगी सरकार ने पीड़ितों के दुःखों को कम करने के लिए कतिपय राहत उपाय भी घोषित किये हैं, जिसके मुताबिक मृतकों के परिजनों को 25–25 लाख रुपये प्रदान किये जायेंगे और घायलों को समुचित इलाज प्रदान किया जाएगा। इससे पीड़ित परिवारों को कुछ राहत भी मिली है।

हालांकि, इस पूरे महाआयोजन की रिपोर्टिंग करने वहां पहुंचे पत्रकारों ने भी यदि श्रद्धालुओं की आवागमन सम्बन्धी बैरिकेटिंग, संगम नोज पर ठहरने और स्नान स्थल की कमी तथा रहन–सहन सम्बन्धी कमियों को पहले ही उजागर कर दिया होता तो प्रशासन को भी संभलने का मौका मिल जाता। लेकिन इस विषय को नजरअंदाज करना लोगों पर भारी पड़ गया। इस नजरिए से प्रशासनिक खुफिया तंत्र को भी आप विफल मान सकते हैं।

जानकारों के मुताबिक, वहां मौजूद गड्डबड़ी लगभग सबने जरूर देखी–सुनी होगी, लेकिन किसी ने भी उन कमियों को गंभीरता से नहीं लिया। क्योंकि यदि समय पर वहां व्याप्त अव्यवस्था की रिपोर्टिंग हुई होती तो महाकुंभ हादसे की इतनी बड़ी हृदयविदारक घटना नहीं घटती। चश्मदीद लोगों के मुताबिक, वहां समय पर कोई भी काम पूरा नहीं किया गया था। यहां तक कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को फटकार भी लगाई थी और काम जल्द पूरा करने का आदेश दिया था। लेकिन अपने देश के प्रशासन की जो गैरजिम्मेदार और उत्तरदायित्व विहीन शैली रही है, उससे महाकुंभ की तैयारियां भी अछूती नहीं बचीं। लिहाजा, इस अप्रत्याशित घटना से पूरे विश्व में भारत को शर्मिंदगी झेलनी पड़ी है, जबकि इस वृहत आयोजन की प्रारंभिक सफलता को लेकर उसकी तारीफों के पुल बांधे जा रहे थे। लोगों के मुताबिक, जो कमियां पहले बताई जानी चाहिए थी, वह नहीं बताई गईं। जैसे–

पहला, जब से महाकुम्भ की शुरुआत हुई तबसे श्रद्धालुओं को 10–15 किलोमीटर पैदल चलना पड़ रहा था, जिससे बच्चे, बुजुर्गों और महिलाओं की परेशानी देखते ही बनती थी। इतना दूर चलने के दौरान उन पर गर्म कपड़ों व अन्य जरूरी सामानों का बोझ भी होता था। दूसरा, वीआईपी विजिट के चक्कर में अधिकतर पूल और मार्ग बंद रख जाते थे, जिससे आमलोगों को आवागमन में काफी तकलीफें हो रही थीं। तीसरा, आमलोगों के लिए टॉयलेट, पीने योग्य पानी, जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उचित संख्या में उपलब्ध नहीं है। चतुर्थ, स्थानीय रेलवे जंक्शन, बस स्टैंड से मेला क्षेत्र में जाने के लिए भीषण ट्रैफिक और व्याप्त अव्यवस्था से भी आमलोगों को काफी परेशानी होती है। पंचम, वहां आम लोगों के लिए ठहरने की कोई माकूल व्यवस्था नहीं की गई है, और जो कुछ व्यवस्थाएं वहां की गई हैं, वो काफी महंगी हैं। जबकि सस्ते होटल या सस्ती व्यवस्था काफी दूर है। जबकि लोग–बाग एक रात संगम घाट पर किसी तरह से बिताना चाहते हैं।

इन बातों के मद्देनजर यह समझा जा सकता है कि प्रयागराज महाकुंभ हादसा एक अनहोनी थी, जो घट गई। इस दौरान वहां जो कुछ भी हुआ वह अत्यंत ही दुखद है। क्योंकि प्रयागराज कुंभ में भगदड़ मचने की वजह से असमय ही कुछ लोग काल–कवलित हो गए, जो दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। लेकिन महाकुंभ जैसे अपार जनभागीदारी वाले आयोजन को जिस सुव्यवस्थित तरीके से अब तक आयोजित किया गया, उसे किसी अनहोनी से कमतर नहीं करार दिया जा सकता। क्योंकि पहले अगलगी और फिर भगदड़ के मामले को स्थानीय प्रशासन ने जिस तीव्रता से नियंत्रित कर स्थिति को सामान्य बनाया, वह काबिलेगौर है और काबिलेतारीफ भी।

महाकुंभ यात्रा संपादित कर चुके लोगों ने बताया कि हमलोग दूरदराज से सपरिवार महाकुंभ गए, ट्रेन–बस–कार आदि से गए, वहां ठहरे और स्नान संपन्न कर लौट आए। वे सभी लोग उत्साह से परिपूर्ण थे, क्योंकि करोड़ों लोगों की आवाजाही के बावजूद कुम्भ नगरी की सफाई व अन्य व्यवस्था चकित करती थी। उनके लिए सबसे उल्लेखनीय प्रशासन व पुलिस का सहयोग था, जो किसी भी छोटे–बड़े सहयोग के लिए तत्पर दिखते थे। यूँ तो इतने बड़े आयोजन में, दुनिया भर में अनेक ऐसे उदाहरण हैं जहाँ अनियंत्रित या अज्ञात भय से अव्यवस्था मची। लगभग उसी तरह से यहाँ भी भगदड़ मचने की वजह से कुछ लोगों की मौत हुई, जिसे प्रशासनिक चूक या अनहोनी दोनों के अंतर्गत रखा जा सकता है, यह जांच का विषय है।

बावजूद इसके, इस महाकुंभ में घटित आपदा में राजनीतिक या सामाजिक अवसर न खोजे जाएं। क्योंकि यह कुछ असामाजिक तत्वों का षड्यंत्र भी हो सकता है। इस नजरिए से कुछ मीडिया रिपोर्ट्स भी आई है और जांच भी हो रही है। यदि ऐसा कुछ हुआ है तो वह मानव सभ्यता के लिए शर्मिंदगी भरा कदम है। कुछ लोगों की नजर में यदि प्रयागराज महाकुंभ में खामियां ही खामियां हैं तो फिर सवाल यह भी है कि अब तक उनके अनुसार लाख असुविधा के बावजूद भक्ति, श्रद्धा और पुण्य की त्रिवेणी में करोड़ों श्रद्धालुओं ने कैसे डुबकी लगाई? क्योंकि श्रद्धालु तो अपने कष्टों की कभी शिकायत नहीं करते। जबकि, कुछ शिकायत सदैव पर्यटकों को ही होती है। देखा जाए तो परेशानी तो घर से निकलते ही शुरू हो जाती है, परंतु वैसी परेशानियों को यदि हम लेकर चले तो जीना मुश्किल हो जाएगा।प्राप्त रिपोर्टों के मुताबिक, संगम तट पर जिस नोज की ओर जाने की मनाही थी, उसी ओर भीड़ बढ़ी। हालांकि वहां बैरिकेटिंग भी पर्याप्त था। फिर भी जिस तरफ स्नानार्थी सोये हुए थे, उसी दिशा में भीड़ बढ़ी और बैरिकेटिंग टूटने की वजह से भीड़ भरभराती हुई सोये हुए स्नानार्थियों पर ही गिर पड़ी और उन्हें कुचलते हुए आगे बढ़ गई। लिहाजा यह कहा जा सकता है कि इस प्रकार की परिस्थितियों को पर्याप्त जागरुकता व सतर्कता से ही बचाया जा सकता है।

इसके साथ यह भी कहा जा सकता है कि मीडिया को भी सकारात्मक या नकारात्मक दोनों ही स्थितियों में अतिवादी रिपोर्टिंग से बचना चाहिए। क्योंकि इस तरह के विशाल आयोजन में इस प्रकार की अनहोनी घटनाएं होने की संभावनायें हमेशा से बनी रहती हैं। जबकि सकारात्मक नजरिए से यह भी कहा जा सकता है कि प्रशासनिक राहत व बचाव दल त्वरित गति से सक्रिय हुआ और उपलब्ध हुआ। एम्बुलेंस की सक्रियता देखते ही बनी। प्रशासनिक सहानुभूति भी सराहनीय दिखी। जानकारों के मुताबिक, भारत जैसे देश में एक बार जब किसी जगह पर भीड़ जमा होती है और उसमें धर्म का तड़का लग जाता है, तब वहां अव्यवस्था जरूर मचती है। हालांकि, महाकुंभ में मची भगदड़ के बाद अब स्थिति पूरी तरह से सामान्य हो गई है। पवित्र संगम तट पर हुई इस भगदड़ की घटना के बाद सुरक्षा और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोके जाने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। जिसके तहत पूरे मेला स्थल को नो–व्हीकल जोन घोषित कर दिया है।

अंतरिक्ष में कामयाबी की उड़ान

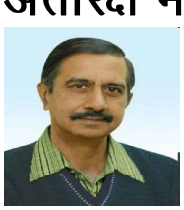

–मुकुल व्यास–

भारत ने नए साल का शानदार आगाज करते हुए अंतरिक्ष में दो बड़े कीर्तिमान कायम कर दिए हैं। सबसे पहले इसरो ने 16 जनवरी को अंतरिक्ष में पहली बार दो यानों को सफलतापूर्वक जोड़ कर एक नया इतिहास रचा और इसके कुछ ही दिन बाद 29 जनवरी को उसने अपने ऐतिहासिक 100वें रॉकेट प्रक्षेपण के जरिए अपने दूसरी पीढ़ी के नेविगेशन (नौचालन) उपग्रह को कक्षा में स्थापित कर दिया। भारत को लंबे समय से अंतरिक्ष में अपने यानों की डॉकिंग का इंतजार था। सटीक गणनाओं और अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से हासिल की गई यह उपलब्धि अंतरग्रहीय मिशनों और उन्नत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की बढ़ती क्षमताओं को प्रदर्शित करती है। इसरो ने सीमित संसाधनों के साथ काम करने के बावजूद एक अत्यधिक परिष्कृत कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया है। डॉकिंग के लिए दो उपग्रहों के बीच सही मिलान की आवश्यकता होती है, और इसमें अविश्वसनीय रूप से जटिल गणनाएं शामिल होती हैं। यह ऐसा काम नहीं है जो हर देश कर सकता है, लेकिन भारत ने एक बार फिर पूरी दुनिया के समक्ष अपनी योग्यता साबित कर दी है।

भविष्य में भारत की अंतरिक्ष में बड़ी–बड़ी महत्वाकांक्षाएं हैं। भारत अंतरिक्ष में अपना स्थायी स्टेशन स्थापित करना चाहता है। अन्य बड़े लक्ष्यों में चंद्रमा से नमूने लाना और वहां मानव भेजना शामिल है। डॉकिंग की तकनीक इन लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। पूरे देश और इसरो के वैज्ञानिकों के लिए यह बड़े गौरव की बात है कि भारत अंतरिक्ष में यान को डॉक करने वाला चौथा देश बन गया है। स्पैडेक्स (स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट) मिशन इसरो की एक महत्वपूर्ण परियोजना है।

इसरो के स्पैडेक्स मिशन को 30 दिसंबर को श्रीहरिकोटा लांच पैड से प्रक्षेपित किया गया था। उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद लगभग 220 किलोग्राम वजन वाले दो अंतरिक्ष यानों को 475 किलोमीटर की गोलाकार कक्षा में प्रक्षेपित किया गया। एक ही रॉकेट पर प्रक्षेपित किए गए दो अंतरिक्ष यान अंतरिक्ष में अलग हो गए। इसरो के डॉकिंग परीक्षण के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेंगलुरु में इसरो कार्यालय में उपस्थित थे। सफल डॉकिंग के बाद उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, 'यह आने वाले वर्षों में भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।' स्पैडेक्स मिशन पर भेजे गए दो छोटे अंतरिक्ष यानों को एसडीएक्स 01 या चेजर और एसडीएक्स 02 या टारगेट कहा जाता है। लांच के बाद दोनों यान सावधानीपूर्वक चुनी गई गति से अंतरिक्ष में यात्रा कर रहे थे। उन्हें एक साथ अंतरिक्ष में भेजा गया था। लेकिन अलग होने के समय उन्हें अलग–अलग वेग पर रखा गया था ताकि वे अपने बीच 10–20 किलोमीटर की दूरी बना सकें। डॉकिंग के दौरान वैज्ञानिकों ने यानों की दूरी को कम करने के उपाय किए ताकि वे आपस में मिल सकें। स्पैडेक्स के लांच होने के समय एस. सोमनाथ इसरो प्रमुख थे और कुछ दिन पहले अपनी सेवानिवृत्ति तक इसकी प्रगति की निगरानी कर रहे थे। उन्होंने डॉकिंग को 'एक बहुत ही जटिल प्रक्रिया' के रूप में वर्णित किया था, जिसके लिए अत्यधिक सटीकता और समन्वय की आवश्यकता होती है।

आने वाले दिनों में दोनों यानों की अनडॉकिंग (अलग होने) और उनके बीच पावर ट्रांसफर का परीक्षण किया जाएगा। चेजर यान से टारगेट यान में बिजली का हस्तांतरण एक बहुत महत्वपूर्ण प्रयोग है। इसकी सफलता से यह प्रदर्शित किया जा सकेगा कि अंतरिक्ष में तैनात अंतरिक्ष यान की आपूर्ति और सर्विस के लिए दूसरे यान को भेजा जा सकता है। यह मिशन अंतर–उपग्रह संचार के लिए भारत की क्षमताओं का भी परीक्षण करेगा क्योंकि डॉकिंग और अनडॉकिंग के दौरान अंतरिक्ष यान को पृथ्वी स्टेशन के साथ–साथ एक–दूसरे के साथ भी संवाद करना होगा ताकि वे एक–दूसरे की स्थिति और गति जान सकें। अंतरिक्ष यान में वैज्ञानिक उपकरण और कैमरे भी हैं जिन्हें बाद में तैनात किया जाएगा। अगले दो वर्षों में वे अंतरिक्ष में विकिरण को मापेंगे और पृथ्वी पर प्राकृतिक संसाधनों की निगरानी करेंगे। इसरो अपने मिशनों को किफायती बनाने के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। वह तीन महीने तक कक्षा में कुछ महत्वपूर्ण प्रयोग करने के लिए स्पेसडेक्स को अंतरिक्ष में ले जाने वाले रॉकेट के एक हिस्से का भी उपयोग कर रहा है जो सामान्य परिस्थितियों में अंतरिक्ष मलबा बन जाता है।

पीएम (पीएस4–ऑर्बिटल एक्सपेरीमेंट मॉड्यूल) में 24 पेलोड है और यह पहले ही दो सफल प्रयोग कर चुका है।

आम बजट पर जुड़ी उम्मीदें

– ललित गर्ग–

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को लगातार अपना आठवां बजट पेश करेंगी। यह केंद्रीय बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार का अपने तीसरे कार्यकाल का दूसरा पूर्ण वित्तीय बजट होगा। इस बार के बजट से हर सेक्टर की बड़ी उम्मीदें टिकी हुई हैं, इस बजट की घोषणाओं से भविष्य में राष्ट्र किन दिशाओं में आगे बढ़ेगा, उसकी मंशा एवं दिशा अवश्य स्पष्ट होगी। टैक्सपेयर्स भी इस बार वित्तमंत्री से इनकम टैक्स में राहत देने की उम्मीद कर रहा है। मिडिल–क्लास और वेतनभोगियों को भी राहत की उम्मीद है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की एक मौलिक सोच एवं दृष्टि से यह बजट दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये आगे की राह दिखाने वाला होगा। संभावना है कि इस बजट में समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, बुनियादी ढांचे में निवेश, क्षमता विस्तार, हरित विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी की गारंटियों पर बल दिया जायेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति दी जायेगी। यह बजट देश को न केवल विकसित देशों में बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर तीसरे स्थान दिलाने के संकल्प को बल देने में सहायक बनेगा।

आम आदमी बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और घटती खपत के बीच कुछ राहत की उम्मीद लगा रहा है। बजट, शिक्षा, रक्षा, उद्योग, महिलाओं और गरीब वर्गों के लिए सुधारों और प्रोत्साहनों का खाका तैयार करेगा। वित्त मंत्री से उम्मीद की जा रही है कि वे आयकर स्लैब में बदलाव करेंगी, जिससे वेतनभोगियों एवं करदाताओं को राहत मिलेगी। इस समय वेतनभोगी एवं करदाता की 15 लाख रुपये से अधिक की आमदनी पर 30 प्रतिशत टैक्स लगता है। सरकार 10 लाख रुपये तक की आय को पूरी तरह टैक्स–फ्री करने और 15 से 20 लाख रुपये की आमदनी पर 25 प्रतिशत का नया टैक्स स्लैब लाने पर विचार कर रही है। इससे मध्यम वर्ग के लोगों की खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी, जो अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करेगा। केंद्र सरकार बजट सत्र 2025 में नया आयकर कानून पेश करने की योजना बना रही है, जो करदाताओं को लाभान्वित करेगा और कर प्रणाली को सरल बनाएगा। इसके अलावा, सरकार इस बार के बजट में शेयर से होने वाली कमाई पर टैक्स लगाने का प्रावधान कर सकती है। इसमें शेयरों से मिलने वाले लाभांश, ब्याज से होने वाली कमाई और पूंजीगत लाभ पर भी टैक्स लगाया जा सकता है।

यह बजट न केवल देश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा, बल्कि सामाजिक और तकनीकी विकास की दिशा में भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण की भी संभावनाएं हैं। इस बजट से विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण घोषणाओं की उम्मीद है, जो अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने और आम जनता को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से की जा सकती हैं। आम आदमी के लिए सबसे पीड़ादायक टैक्स का बोझ है। हालांकि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे टैक्स का फैसला समय–समय पर जीएसटी काउंसिल में लिया जाता है, लेकिन सरकार से उम्मीद की जाती है कि वो इन शुल्कों को और तर्कसंगत बनाकर आम लोगों को कुछ राहत दे। अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी पड़ने के कारण निवेशकों में घबराहट है और इसने रोजगार के अवसरों को भी कम किया है जबकि महंगाई के हिसाब से मजदूरी और वेतन में बढ़ोतरी नहीं होने से खपसकर सीमित आमदनी वाले परिवारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। पिछली तिमाहियों में कंपनियों के निराशाजनक प्रदर्शन ने भी इन हालात को मुश्किल बनाया है। जिससे नौकरी चाहने वाले युवाओं को पर्याप्त संख्या में रोजगार नहीं मिल पा रहा है। इन सारे कारकों के कारण मध्य वर्ग ने अपने खर्चों में कटौती की है जिससे पिछले कुछ महीनों में उपभोग में गिरावट आई है। इन परेशानियों एवं चिन्ताओं को कम करने में इस बार का बजट राहतभरा होने की उम्मीद है।

बजट में विभिन्न उद्योगों, विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए प्रोत्साहन योजनाओं की घोषणा से रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। सड़कों, रेल, बंदरगाहों और हवाई अड्डों के विकास के लिए बड़े पैमाने पर निवेश की योजना बनाई जा सकती है, जिससे लॉजिस्टिक्स में सुधार होगा और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए बजट में विशेष प्रावधान किए जा सकते हैं, जिससे मानव संसाधन का विकास हो सके। महिलाओं के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा की जा सकती है, डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और डिजिटल लेन–देन को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाएं लाई जा सकती हैं। उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों के लिए अतिरिक्त अनुदान दिया जा सकता है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, और चिकित्सा के क्षेत्र में इनोवेशन को प्रोत्साहित करने के लिए नई योजनाएं लाई जा सकती हैं।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर आयोजित हुए कार्यक्रम

संवाददाता–महराजगंज। जिला परिषद मार्केट में कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने महात्मा गांधी की पुण्य तिथि पर एक खास कार्यक्रम का आयोजन किया। जिलाध्यक्ष शरद सिंह ने गांधी प्रतिमा पर श्रद्धा के साथ माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में पार्टी के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे, जिन्होंने गांधी जी के जीवन और विचारों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। शरद सिंह ने अपने संबोधन में महात्मा गांधी की शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए समाज में अहिंसा और सत्य के महत्व को रेखांकित किया। इस आयोजन ने गांधीजी की आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की।

कई ईंट भट्ठा संचालकों पर एफआईआर

संवाददाता–गोण्डा। क्षेत्र में बगैर रायल्टी जमा किए ईंट भट्ठा का संचालन करने वाले आधा दर्जन संचालकों पर पुलिस ने खनन अधिकारी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खनन विभाग की ओर से की गई कार्रवाई से हड़कंप मचा है। खनन विभाग की ओर से विगत दिसम्बर में धानेपुर इलाके में दौरा कर ईंट भट्ठों का जायजा लिया गया था। इस दौरान विभाग को पता चला कि बगैर रायल्टी जमा किए ही पांच ईंट भट्ठों का संचालन किया जा रहा है। इनमें गोदरना राजापुर में पार्टनरशिप में भट्ठा का संचालन किया जा रहा है। जबकि बगुलही, गूंगीदेई, पूरे नेवल पहड़वा, पूरे तिलक, पूरे बसालत में विगत कई वर्षों से ईंट भट्ठों का संचालन किया जा रहा है। खनन अधिकारी अभय रंजन ने बताया कि इन ईंट भट्ठों का विगत दिसम्बर महीने में औचक निरीक्षण कर जायजा लिया गया था। इनकी चिमनी से धुआं निकलता पाया गया था। आरोप है कि बगैर रायल्टी जमा किए ही संचालन कर राजकोष को नुकसान पहुंचाया गया। साथ ही उपखनिज की चोरी कर ईंटों का निर्माण किया गया है। इस बावत नोटिस तामील कराकर रायल्टी जमा कराने के लिए कहा गया था। इसके बावजूद संचालकों की ओर से रायल्टी नहीं जमा की गई है। जिस पर तहरीर दी गई थी। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार राय ने बताया कि खनन अधिकारी अभय रंजन की तहरीर पर मेसर्स ईंट भट्ठा गोदहना राजापुर में पार्टनरशिप में संचालित ईंट भट्ठा संचालकों हरीराम वर्मा व दीप नारायण पासवान, मेसर्स करामत खान खैराती खान ईंट भट्ठा बगुलही के मौजूदा संचालक करामत खान व शाबान खान, मेसर्स श्याम ब्रिक फिल्ड गूंगी देई के संचालक विपुल पांडेय, मेसर्स ज्ञान ब्रिक फील्ड पूरे नवल पहड़वा संचालक दीपक कुमार पुत्र संजय कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया गया है। अन्य विधिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

परीक्षा पास कर राहुल ने बढ़ाया जिले का मान

संवाददाता–श्रावस्ती। विकास क्षेत्र सिरसिया के गढ़ी निवासी राहुल चौधरी ने एमबीबीएस डॉक्टर बनकर जिले और परिवार का नाम रोशन किया है। 24 वर्षीय राहुल चौधरी ने यूक्रेन से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जाम (विदेशी मेडिकल स्नातक परीक्षा)पास कर ये उपलब्धि हासिल की है। शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रहे राहुल चौधरी का डॉक्टर बनने का सपना था। राहुल चौधरी ने बताया कि उन्होंने शुरुआती पढ़ाई बलरामपुर के शारदा पब्लिक स्कूल में की। इसके बाद इकौना में हाईस्कूल व इंटर की पढ़ाई करने के बाद यूक्रेन एमबीबीएस की पढ़ाई करने चले गए। राहुल चौधरी के पिता आद्या प्रसाद चौधरी गढ़ी के ग्राम प्रधान हैं। डॉक्टर राहुल चौधरी यूक्रेन में अपनी पढ़ाई कर रहे थे। उसी समय रूस–यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत सरकार के चलाए गए ऑपरेशन गंगा के तहत वे सुरक्षित स्वदेश लौट सके। उन्होंने कहा कि युद्ध के कठिन समय में भारत सरकार ने उनकी और अन्य भारतीय छात्रों की मदद की थी। इसके बाद देश में ही रह कर पढ़ाई की और परीक्षा पास कर चिकित्सक बने।

'वांटेड' खनन के गुर्गों ने दारोगा– सिपाही पर किया हमला, घायल, 6 गिरफ्तार

संवाददाता–देवरिया। बरियारपुर थाना क्षेत्र के अहिल्यवार बुजुर्ग गांव में वांछित खनन माफिया द्वारा अवैध मिट्टी खनन कराने की सूचना मुखबिर ने बरियारपुर पुलिस को दी। घटना की सूचना पर बुधवार की देर शाम थाने के दरोगा सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद वहां पर मिट्टी खनन करा रहे वांछित खनन माफिया पकंज गुप्ता को पकड़ लिया। इसके वाहनों के कागजात की जांच करने लगे। इसी बीच खनन माफिया के गुर्गों का जमवाड़ा लग गया। पुलिस खनन माफिया को वाहन तक ला ही रही थी कि उसके गुर्गे पुलिस से उलझ गए। इसके बाद अचानक से हमला कर पकंज गुप्ता को छुड़ा लिया। पुलिस ने पीछा करना चाहा, परंतु गुर्गों ने पुलिस को रोक दिया।

इस घटना में दरोगा व सिपाही चोटिल हो गए। इसकी सूचना जैसे ही बरियारपुर थानाध्यक्ष को मिली करीब आधा दर्जन थाने की पुलिस के साथ आरोपी के घर पहुंच दबिश दी। आरोपी व उसके गुर्गे घर से फरार मिले। पुलिस ने मौके पर मौजूद आधा दर्जन लोगों को गिरफ्तार कर थाने लाई। इसके बाद एनआइ एक्ट में वांछित खनन माफिया सहित 11 नामजद व 20–30 अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार सभी छह लोगों से पूछताछ के बाद जेल भेज दिया। पुलिस फरार खनन माफिया की गिरफ्तारी में जुटी हुई है। बरियारपुर थाना क्षेत्र के ग्राम अहिलवार बुजुर्ग निवासी पंकज गुप्ता पुत्र मैनेजर गुप्ता अवैध मिट्टी खनन का कार्य करता है। उसने किसी व्यक्ति से रुपया लेने के बाद चेक दिया था, चेक बाउंस हो गया था। इस मामले में पीड़ित ने न्यायालय में केस दर्ज कराया है। उस मामले में पंकज गुप्ता वांछित चल रहा है। बुधवार की शाम बरियारपुर थाने के दारोगा वरुण सिंह व सिपाही अमर सिंह को सूचना मिली थी पकंज गुप्ता अवैध मिट्टी खनन का कार्य करा रहा है। मौके पर वह अपने गुर्गों के साथ मौजूद है। इसके बाद दरोगा दलबल के साथ मौके पर पहुंच पंकज को दबोच लिया। यह देख पंकज गुप्ता के गुर्गे मौके पर पहुंच गए। अभी दरोगा वरुण सिंह कुछ समझ पाते गुर्गों ने दारोगा व सिपाही पर हमला बोल दिया। साथ ही आरोपी पंकज गुप्ता को छुड़ाकर लेकर चले गए। ग्रामीणों के हमले में दोनों पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। इसकी सूचना जब थानाध्यक्ष कंचन राय को मिली तो वरिष्ठ अधिकारियों को इस घटना से अवगत कराया। इसके बाद रात में करीब पांच थानों की पुलिस के साथ खनन माफिया पकंज गुप्ता के घर पहुंच छापेमारी की। लेकिन, आरोपी व उसके गुर्गे घर से फरार मिले। पुलिस ने आरोपी के घर पर मौजूद छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया। यही नहीं, मिट्टी खनन के दौरान मिले तीन दो पहिया, एक कार, पांच ट्रैक्टर–ट्राली व एक लोडर को जब्त करते हुए थाने लेकर चले गए। पुलिस ने बृहस्पतिवार को खनन माफिया सहित 11 लोगों को नामजद किया। वहीं, 20 से 30 अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर पहचान में जुट गई। देर रात हुई छापेमारी के दौरान छह लोगों को पूछताछ के बाद न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया। एएसपी दक्षिणी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि वारंटी अभियुक्त पंकज गुप्ता को गिरफ्तार करने पुलिस टीम पर हमला करते हुए बाधा पहुंचाई गई थी। दरोगा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी छह अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया। वहीं मौके से नौ गाड़ियों को सीज कर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। शेष अभियुक्तों की गिरफ्तारी के दबिश दी जा रही है।

महाकुंभ से श्रद्धालुओं को लाने के लिए गोंडा डिपो की कई बस रवाना

संवाददाता–गोण्डा। प्रयागराज में लौटने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए गुरुवार को गोंडा डिपो की कई बसों को रवाना किया गया है। यह सभी बसें यात्रियों को लेकर लखनऊ होते हुए प्रयागराज जाएगी। अयोध्या प्रतापगढ़ मार्ग पर वाहनों के अत्यधिक दबाव के कारण जाम की समस्या बनी हुई है। जिसको देखते हुए गोंडा डिपो की सभी बसों को लखनऊ होते हुए प्रयागराज भेजा जा रहा है। रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक पंकज देव ने बताया कि अयोध्या और प्रतापगढ़ की सड़क अवरोध होने के कारण गोंडा डिपो की बसों को लोकल यात्रियों के साथ लखनऊ होते हुए प्रयागराज भेजा जा रहा है। वर्तमान समय में अयोध्या प्रतापगढ़ मार्ग पर वाहनों का भारी दबाव होने के कारण जगह–जगह जाम की समस्या बनी हुई है। ऐसे में गोंडा डिपो की बसों को लखनऊ होते हुए प्रयागराज भेजा जा रहा है। उसी रास्ते से बसें वापस भी लौटेंगी। ताकि यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचा जा सके।

न्यायालय के आदेश पर चार के विरुद्ध केस

संवाददाता–महराजगंज। स्थानीय थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने न्यायालय में 156 दाखिल कर गाली गलौज, जान मारने और चोरी का आरोप लगाया है। न्यायालय के सिंदुरिया पुलिस ने बृहस्पतिवार को केस दर्ज कर लिया है। कसमरिया निवासी योगेंद्र ने न्यायालय में 156 (3) दाखिल कर आरोप लगाया कि पुरानी रंजिश को लेकर 26 दिसंबर 2023 को चार बजे शाम चोरी का आरोप लगाकर विनोद, रामनरेश, दिनेश व अनिल जो हमारे गांव के रहने वाले हैं। गोलबंद होकर विनोद के ललकारने पर मुझे गालियां देने लगे। मना करने पर आरोपियों ने घर में घुसकर पिटाई कर दी। 27 दिसंबर की शाम करीब पांच बजे घर में घुसकर मारपीट व तोड़फोड़ की।

सतर्क हुई पुलिस तो बच गई युवक की जान

संवाददाता–श्रावस्ती।पुलिस की सतर्कता से एक युवक की जान बच गई। एक युवक ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया था। जिसमें वह चूहे मारने की दवा का पैकेट दिखाते हुए आत्मघाती कदम उठाने की बात कर रहा था। जिसकी सूचना पर मीडिया सेल ने संबंधित चौकी प्रभारी लक्ष्मनपुर पुलिस चौकी उपनिरीक्षक जगतराम मौर्या को अवगत कराया। चौकी प्रभारी ने सक्रियता दिखाते युवक के लोकेशन पर पहुंच गए और युवक को आत्महत्या करने से रोक लिया। पूछताछ में युवक ने बताया कि कभी–कभी वह मानसिक रूप से अस्थिर हो जाता है। ऐसी ही स्थिति में उसने वीडियो बनाकर पोस्ट की थी।

तीन वारंटियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। वारंटियों के विरुद्ध पुलिस की ओर से आपरेशन धपरकड़ चलाया जा रहा है। जिसके तहत गुरुवार को सिरसिया व गिरंट पुलिस ने तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया। सिरसिया पुलिस ने दो वारंटी बाबूराम पुत्र रामछबीले निवासी गैंडीह थाना सिरसिया व महाजन पुत्र गुलाम निवासी बदलपुर थाना सिरसिया को गिरफ्तार किया। इसी तरह थाना हरदत्तनगर गिरंट पुलिस ने एक वारण्टी रहूफ पुत्र लालमन उर्फ लाल मोहम्मद निवासी बंजारनपुरवा थाना हरदत नगर गिरन्द को गिरफ्तार किया।

गोली मारकर हत्या के दोषियों को आजीवन कारावास

संवाददाता–श्रावस्ती। गोली मारकर हत्या करने के मामले में न्यायालय ने दो आरोपियों को दोषी करार दिया। दोनों दोषियों को आजीवन कारावास कर सजा सुनाई गई। साथ ही प्रत्येक को 25 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया। वर्ष 2012 में दो लोगों ने गोली मारकर एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। मामले में मृतक के ममेरे भाई की तहरीर पर कोतवाली भिनगा में गोली मार कर हत्या करने वाले आरोपियों ननके वर्मा पुत्र राम अभिलाष वर्मा निवासी ग्राम दहाउरकला थाना इकौना व अतुल देव वर्मा पुत्र दुखहरन वर्मा निवासी ग्राम परसौरा थाना कोतवाली भिनगा के विरुद्ध 15 दिसम्बर 2012 को हत्या का मामला दर्ज किया। साथ ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस ने विवेचना पूरी करते हुए आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। 12 वर्ष से न्यायालय में मामले का विचारण हो रहा था। गुरुवार को सुनवाई के दौरान न्यायालय ने दोनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही दोनों पर 25–25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया।

ड्रग डिस्पोजल कमेटी ने नष्ट किए मादक पदार्थ

संवाददाता–महराजगंज। जिले में नशीले पदार्थों के निस्तारण के लिए जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी ने गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई की। आला अफसरों के निर्देश पर गठित इस टीम ने नारकोटिक्स ड्रग्स और मनः प्रभावी पदार्थों के निपटान नियम–2022 के तहत जब्त मादक पदार्थों को नष्ट किया। जिले के विभिन्न थानों में एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त 52 मामलों में मादक पदार्थों को इस कार्रवाई में नष्ट किया गया। इनमें 72.275 किग्रा गांजा, 26.950 किग्रा चरस, 223 ग्राम हेरोइन, 75 ग्राम स्मैक और 257 ग्राम कोकिन शामिल हैं। इन्हें मेसर्स एवी बायोमेडिकल वेस्ट सर्विसेस ग्राम राजधानी थाना नौतनवा में इंसिनिरेटर के माध्यम से नष्ट किया गया। इस दौरान कमेटी के अध्यक्ष एसपी सोमेंद्र मीना, सदस्य अपर पुलिस अधीक्षक आतिश कुमार सिंह व क्षेत्राधिकारी निचलौल अनुज कुमार सिंह मौजूद रहे। एसपी ने बताया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और उनके दुष्प्रभाव को रोकना है। पुलिस प्रशासन द्वारा इस तरह की सख्त कार्रवाई से जिले में नशे के कारोबार पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

बलिदानियों की स्मृति को संजोने का दिन है शहीद दिवस

संवाददाता–श्रावस्ती। महात्मा गांधी की पुण्य तिथि पर गुरुवार को शहीद दिवस मनाया गया। इस मौके पर दो मिनट का मौन धारण कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही उनकी सहादत को याद किया गया। अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में देश की स्वतंत्रता संग्राम में प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की स्मृति में शहीद दिवस मनाया गया। इस दौरान एडीएम समेत सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करते हुए उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। एडीएम ने कहा कि भारत वर्ष में शहीद दिवस हर साल 30 जनवरी और 23 मार्च को भारत की स्वतंत्रता, गौरव, कल्याण व देश की शान के लिए लड़ने वाले शहीदों, महापुरुषों को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है। इस मौके पर एसडीएम पीयूष कुमार, वरिष्ठ कोषाधिकारी विनीत कुमार आदि मौजूद रहे। इसी तरह 62वीं वाहिनी एसएसबी मुख्यालय भिनगा में शहीद दिवस पर शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण कर व दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण ने शहीदों को याद करते हुए कहा कि शहीद दिवस केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि यह उन महान बलिदानियों की स्मृति को संजोने और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेने का दिन है। राष्ट्र की सुरक्षा और अखंडता के प्रति समर्पण ही शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसी भावना के साथ एसएसबी के जवान सदैव अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान रहेंगे और देश की सेवा में पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी सहित उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों का स्मरण किया जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राण अर्पित किए। इस मौके पर उपकमांडेन्ट पियूष सिन्हा, उपकमान्डेंट सोनू कुमार, उपकमान्डेंट गोबर्धन पुजारी आदि मौजूद रहे।

एशियन थाई बाक्सिंग में स्वर्ण पदक विजेता आशुतोष को किया गया सम्मानित

संवाददाता–श्रावस्ती। श्रावस्ती के खिलाड़ी आशुतोष त्रिपाठी ने 16 नवम्बर 2024 को गोवा में राष्ट्रीय थाई बाक्सिंग चौम्पियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल करते हुए एशियन थाई बॉक्सिंग में अपनी जगह सुनिश्चित की थी। इस पर विधायक रामफेरन पाण्डेय ने अपने निधि से 50 हजार रुपये की खेल सामग्री देकर सम्मानित किया। विधायक ने कहा कि खिलाड़ी आशुतोष त्रिपाठी ने थाई बाक्सिंग प्रतियोगिता में सराहनीय कार्य किया गया है। इससे जनपद का नाम पूरे देश में रोशन हुआ है।

एक फरवरी को खरगूपुर में होगी जनसुनवाई

संवाददाता–श्रावस्ती। श्रावस्ती एयरपोर्ट विस्तारीकरण हेतु ग्राम खरगूपुर, कटरा व बिदुहनी की भूमि का अधिग्रहण किया जाना प्रस्तावित है। प्रस्तावित भूमि के अर्जन से पूर्व भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन के लिए उचित मुआवजा देने के लिए एक फरवरी को खरगूपुर में जन सुनवाई आयोजित की जाएगी। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि इस जन सुनवाई में लोग अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए नामित अधिकारी उपजिलाधिकारी इकौना मोबाइल नंबर 9454416089 की ओर से पंचायत भवन खरगूपुर में 11 बजे से लोक सुनवाई करेंगे।

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह सोनौली सीमा से गोरखपुर गए

संवाददाता–महराजगंज। नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह गुरुवार की दोपहर भारत–नेपाल सीमा सोनौली से कड़ी सुरक्षा के बीच गोरखनाथ मंदिर गोरखपुर के लिए रवाना हुए। सोनौली सीमा पर पहुंचने पर नेपाल हिन्दू संगठनों के लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। जमकर नारे लगाए गए और लोग खुशी से झूमते रहे। बताया गया है कि पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह गोरखनाथ मंदिर पहुंचेंगे और विशेष पूजा करेंगे। पूर्व राजा शाह के मीडिया सचिव फणीराज पाटक ने बताया कि पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह गुरुवार को गोरखपुर दौरे के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात करेंगे। पूर्व राजा शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के बीच बैठक की तैयारी की जा रही है। गोरखनाथ मंदिर में नेपाल के पूर्व राजाओं द्वारा खिचड़ी चढ़ाने की परंपरा है। पूर्व राजा शाह उसी परंपरा को जारी रखते हुए गोरखपुर जा रहे हैं। इसके पहले सीमा के नेपाल गेट पर नेपाल शिव सेना रुपन्देही के अध्यक्ष शैलेन्द्र शाही व प्रवक्ता शिव वैश्याल के नेतृत्व में दर्जनों शिव सैनिकों ने नेपाल गेट पर पूर्व राजा और राजशाही के समर्थन में खूब नारे लगाए। इससे पहले पूर्व राजा तीन दिनों से रुपन्देही के अनेक मंदिरों का भ्रमण कर पूजा–पाठ किए।

अयोध्या पहुंचीं डिंपल यादव, बोलीं– महाकुंभ हादसा दुर्भाग्यपूर्ण सरकार बढ़ाए मुआवजा राशि

संवाददाता–अयोध्या। मिल्कीपुर सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर सियासत गर्म है। इसी कड़ी में गुरुवार को समाजवादी पार्टी की स्टार प्रचारक सांसद डिंपल यादव रोड शो करने अयोध्या पहुंची। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर उतरकर मीडिया से बातचीत की। इस मौके पर सांसद डिंपल यादव ने कहा कि मिल्कीपुर चुनाव में समाजवादी पार्टी के पक्ष में माहौल है। हम वहां पर भारी मतों के अंतर से जीत दर्ज करेंगे। प्रयागराज महाकुंभ हादसे पर कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। हमारी संवेदना उन परिवारों के साथ है, जिन्होंने अपनों को खोया है। ईश्वर से प्रार्थना है कि जो घायल हैं वे जल्द स्वस्थ हों। उन्होंने प्रदेश की योगी सरकार से कहा कि मुआवजे की राशि बढ़ाई जाए। जिनकी मौत हुई है, उनके शव परिजनों को जल्द सौंप दिए जाएं। इसके पहले एयरपोर्ट पहुंचने पर सपा सांसद का पूर्व मंत्री पवन पांडेय, जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव और सांसद अवधेश प्रसाद के नेतृत्व में बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। सपा सांसद एयरपोर्ट से रोड शो के लिए मिल्कीपुर रवाना हो गई हैं।

महिलाओं को कानूनी जानकारी देकर किया गया जागरूक

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अपर जिला जज एवं प्राधिकरण सचिव भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता की अध्यक्षता में कटेहरी स्थित इ्वाकरा हाल में महिलाओं के हितार्थ विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। शिविर में उपस्थित महिलाओं को जागरूक करते हुए विधिक जानकारी दी गई।

विधान से समाधान कार्यक्रम के तहत महिलाओं के कानूनी अधिकार, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न व निवारण, लिंग चयन और लिंग निर्धारण निषेध की जानकारी दी। सीओ भीटी लक्ष्मीकांत मिश्र ने एसिड अटैक, घरेलू हिंसा, मानव तस्करी तथा मोबाइल फोन पर अनजाने व्यक्ति के काल आने पर बरतने वाली सावधानियों के विषय में बताया। उप निरीक्षक सुषमा मौर्य ने महिलाओं की सहायता के लिए संचालित हेल्पलाईन नम्बर– 112, 1090 एवं 1076 के बारे में जानकारी देते हुए साइबर क्राइम की नजदीकी थानों में शिकायत करने का आह्वान किया। असिस्टेंट एलएडीसीएस शरद पाण्डेय ने पाक्सो एक्ट, कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न, डा. श्वेता जायसवाल ने मासिक धर्म स्वच्छता प्रबन्धन, सैनिटरी नैपकिन का उपयोग एवं सर्वाइकल कैंसर की जानकारी दी।

महाकुंभ स्नान कर मोतिहारी लौट रहे श्रद्धालुओं की कार–डंफर में टक्कर, 3 की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। बृहस्पतिवार को तड़के सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। सभी श्रद्धालु महाकुंभ से मौनी अमावस्या का स्नान कर लौट रहे थे कि कार तेज रफ्तार डंफर से टकरा गई। महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार गोरखपुरदुआजमगढ़ लिंक एक्सप्रेसवे पर छतीयारी गांव के पास डंपर से टकरा गई, जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और सड़क पर अफरा–तफरी मच गई। श्रद्धालु मौनी अमावस्या पर प्रयागराज में स्नान कर बिहार के मोतिहारी लौट रहे थे। तभी रास्ते में तेज रफ्तार डंपर ने उनकी कार को टक्कर मार दी। हादसे में गोपाल यादव, उनकी पत्नी सोना देवी और अरविंद कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार ड्राइव कर रहे अरुण कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलते ही सिकरीगंज पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। पुलिस और जनता ने काफी प्रयास के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया।गंभीर रूप से घायल अरुण कुमार को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। दुर्घटना के बाद काफी देर तक अफरा तफरी मची रही।

भीड़ के मामले में टूटा प्राण प्रतिष्ठा के समय का रिकॉर्ड, सात दिनों में 18 लाख लोग पहुंचे राम मंदिर

संवाददाता–अयोध्या। प्रयागराज में डुबकी लगाने के बाद श्रद्धालुओं का पलट प्रवाह अयोध्या की ओर है। श्रद्धालुओं की भीड़ नया कीर्तिमान भी बना रही है। रामलला के दरबार में भक्तों की भीड़ इस कदर उमड़ रही है कि राममंदिर ट्रस्ट को व्यवस्थाएं बदलनी पड़ी। सात दिनों में रामलला के दरबार में 18 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंच चुके हैं जबकि प्राण प्रतिष्ठा के बाद सात दिनों में 16, 50 लाख श्रद्धालु आए थे। 23 जनवरी से ही अयोध्या में श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा है। इन दिनों रामलला के दरबार में रोजाना ढाई से तीन लाख श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। 26 से 29 जनवरी के बीच रोजाना तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने रामलला के दर्शन किए। श्रद्धालुओं में रामलला के दर्शन की ललक को देखते हुए मंदिर सुबह पांच बजे से रात 11 बजे तक निरंतर खुल रहा है। इससे पहले मंदिर सुबह सात बजे से रात 9रू30 बजे तक खुलता था।

भीड़ की स्थिति यह है कि रामलला को दोपहर में विश्राम भी नहीं कराया जा रहा है। भोग आरती के लिए महज 10 मिनट के लिए मंदिर का पट दोपहर 12:30 बजे बंद किया जाता है। इसके बाद मंदिर लगातार 11 बजे तक खुला रहता है। एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे ने बताया कि राममंदिर इन दिनों रोजाना 18 घंटे खुल रहा है। भीड़ नियंत्रण के लिए गेट नंबर तीन को भी खोल दिया गया है। अब श्रद्धालुओं की निकासी रामजन्मभूमि पथ के बजाय गेट नंबर तीन से ही हो रही है। एटीएस, सीआरपीएफ, पीएसी, पुलिस के जवान राममंदिर की सुरक्षा में लगे हैं। हाईटेक कंट्रोल रूमें से 24 घंटे निगरानी की जा रही है। लाउड स्पीकर के माध्यम से श्रद्धालुओं को हर सुविधा की निरंतर जानकारी दी जा रही है। खोया पाया कैंप भी परिसर में स्थापित किया गया है। राममंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि ट्रस्ट के 200 स्वंय सेवक श्रद्धालुओं की सेवा में लगाए गए हैं। श्रद्धालुओं को पानी भी पिलाया जा रहा है। तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र में बीमार श्रद्धालुओं का निरूशुल्क इलाज किया जा रहा है। ट्रस्ट की टीम 24 घंटे व्यवस्थाओं की मानीटरिंग कर रही है। तीर्थ क्षेत्र पुरम के दरवाजे भी श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। जिन श्रद्धालुओं को रहने–खाने की सुविधा नहीं मिल रही है वह तीर्थ क्षेत्र पुरम बागबिजेसी में रुक सकते हैं। वहीं बजरंग दल की ओर से टेढ़ीबाजार पर बृहस्पतिवार को निरूशुल्क प्रसाद वितरण भी किया गया।

आज सीएम देंगे 121.60 करोड़ की परियोजनाओं का तोहफा

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 31 जनवरी को खोराबार में कल्याण मण्डपम समेत 21.60 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण कर सकते हैं। सीएम इसी दिन यही से 100 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास भी कर सकते हैं। इसके अलावा प्राधिकरण की खोराबार टाउनशिप एवं मेडिसिटी परियोजना में निर्माणाधीन ग्रुप हाउसिंग मिनी एमआईजी के सैम्पल फ्लैटों का निरीक्षण कर सकते हैं। सीएम के कार्यक्रम के मद्देनजर गोरखपुर विकास प्राधिकरण और नगर निगम ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

खोराबार में 4.25 करोड़ रुपये की लागत से कल्याण मंडपम बनाया गया है। 300 लोगों के बैठने की क्षमता वाले मंडपम में मल्टीपरपज हॉल के अलावा 08 कमरे, गेस्ट रूम, पार्किंग, कांफ्रेंस हाल है। इस कल्याण मण्डपम में एक साथ दो मांगलिक कार्यक्रम आयोजित हो सकेंगे। प्राधिकरण के प्रभारी मुख्य अभियंता किशन सिंह ने सीएम के जनसभा स्थल समेत प्राधिकरण के निर्माणाधीन खोराबार टाउनशिप एवं मेडिसिटी परियोजना के निर्माण कार्यों का जायजा लिया। खोराबार टाउनशिप एवं मेडिसिटी परियोजना में निर्माणाधीन ग्रुप हाउसिंग में प्राधिकरण 91.56 करोड़ रुपये से प्राधिकरण 6.63 एकड़ में 14 मंजिला टॉवर बना रहा। यहां 420 मिनी एमआईजी फ्लैट का निर्माण किया जा रहा है। प्रत्येक फ्लैट की कीमत तकरीबन 28.58 लाख रुपये होगी। यहां चाहरदीवारी का काम पूरा हो चुका है। ब्लाक एक में स्टिल्ट समेत 12 मंजिल तक निर्माण हो चुका है। वहीं, ब्लॉक 2 में स्टिल्ट का काम पूरा हो चुका है। मुख्यमंत्री को दिखाने के लिए सेम्पल फ्लैट का निर्माण पूरा है। 09 फरवरी तक परियोजना को पूरा करना है।

पंजाबी गीतों से मंच पर काका ने मचाया धमाल, थिरके दर्शक

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के मगहर में चल रहे कबीर मगहर महोत्सव में पंजाबी सिंगर काका के गीतों के लगे तड़के पर लोग थिरकने को मजबूर हो गए। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपने गीतों को आवाज दी तो पण्डाल में मौजूद दर्शक अपने आप को रोक नहीं पाए और कुर्सी छोड़कर उनके साथ थिरकने लगे। कबीर मगहर महोत्सव में पहुंचने पर दर्शकों ने काका का स्वागत जोरदार अन्दाज में किया और तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा पण्डाल गूंज उठा। कार्यक्रम का आगाज काका ने अपने अंदाज में 'काला जी लिबास... से झन्नाटेदार अंदाज में की। जिसे सुन श्रोता उनके साथ पंजाबी अंदाज में थिरकने लगे। टम्परेरी प्यार बड़ी वार हो गया... गाने को श्रोता के सुर से सुर मिला कर गाने लगे और पूरे महौल को रंगीन कर दिया। मिट्टी दी पिड्डी... गीत को गया तो दर्शक थिरकने व नाचने लगे। काका ने मेरे जज्बात छेड़े... को पंजाबी धुन पर सुनाया तो पूरा पण्डाल इस गीत को गुनगुनाने लगा।

इसके बाद काका ने दर्शकों की फरमाईश पर अपने मशहूर गीतों को अपने दिलकश आवाज में सुना कर खूब मनोरंजन किया। प्यार जब हद से बढ़ा तो सारे तकल्लुफ दूर हुए रफ्ता–रफ्ता... वो मेरे हस्ती का सामान हो गए, 'भीगा भीगा है समा ऐसे में तु है कहां... जैसे तमाम गाने अपने आवाज में गाकर लोगों को अपने साथ में नाचने पर मजबूर कर दिया। इस तरह के दिलकश गानों को अपने आवाज देकर लोगों का भरपूर मनोरंजन किया।

श्रद्धालुओं से भरी बस और डंपर में भीषण टक्कर, एक श्रद्धालु की मौत

संवाददाता–अयोध्या। पूराकलंदर थाना क्षेत्र के रायबरेली हाईवे पर बृहस्पतिवार को श्रद्धालुओं से भरी बस और डंपर में भीषण टक्कर हो गई। इस घटना में एक श्रद्धालु की मौत हो गई। जबकि सात श्रद्धालु घायल हो गए। इसमें दो की हालत नाजुक है। उन्हें लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। अन्य घायल श्रद्धालुओं का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। हादसा नौवआ कुआं के पास हुआ। बस में कुल 22 श्रद्धालु सवार थे और सभी तेलंगाना के निवासी हैं। इस भीषण दुर्घटना में तेलंगाना के रामनअनजनेलू (42 वर्ष) निवासी बल्लारपुर जिला मिरचिल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घायलों में रंगना (35 वर्ष) निवासी मल्लारपुर जिला मिरचिल तेलंगाना, मोहन (40 वर्ष), भलहस (40 वर्ष), रवीश कुमार (45 वर्ष), नागराज (30 वर्ष), रामू (33 वर्ष) और राजमोहन (34 वर्ष) घायल हो गए।

कोठापल्ली अशोक (35 वर्ष) निवासी अमरचिंता तेलंगाना और भूनेश (25 वर्ष) निवासी मिरचिल तेलंगाना को ओपीडी के बाद ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया है। थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि घायलों को जिला चिकित्सालय भर्ती कराया गया है। मृतक के शव को विधिक कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

घने कोहरे के चलते वाहन से चलना हुआ मुश्किल

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में कड़ाके की सर्दी के बीच घने कोहरे से राह चलना मुश्किल हो गया है। देर रात से ही घने कोहरे की चादर आसमान में छाने की वजह से विजबिलटी घट कर 10 मीटर तक आ गई। ऐसे में वाहन चालकों को मुश्किलें बढ़ गई। हाईवे पर वाहन रेंगते नजर आए। धीमी गति के साथ तेज हार्न का सहारा लेकर हाइवे पर वाहन चलते रहे। सर्दी की वजह से लोग कांपते रहे। जिले में सर्दी का सितम अपने सबाब पर है। देर रात शुरू हुए कोहरे का असर गुरुवार की सुबह भी बना रहा। इसके साथ चल रही हवाओं ने गलन बढ़ा दी। जिससे हाथ व पैर सुन्न होने लगे। सुबह इसकी वजह से लोग कांपते हुए नजर आए। दिन में दस बजे के बाद कोहरा छटना शुरू हुआ तो वाहनों की रफ्तार तेज हुई। गुरुवार को जिले का न्यूनतम तापमान 08 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। घना कोहरे से वाहन चालकों को मुश्किलें बढ़ गई। धीमी गति के साथ तेज हार्न व हेडलाइट का सहारा लेकर हाइवे पर वाहन चलते रहे। रास्ता साफ न दिखने से रुक–रुक कर चलना पड़ा। इससे सफर पूरा करने में दो गुना से अधिक का समय लग गया। दिन में दस बजे के बाद धूप निकली। धूप निकलने के बाद भी लोगों को सर्दी परेशान करती रही।

पेशकार ले रहा था रिश्वत, एंटीकरप्शन टीम ने किया गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। कैंपियरगंज में एंटी करप्शन की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पेशकार को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। थाने पर केस दर्ज करवा विधिक कार्रवाई की गई। एंटीकरप्शन टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। कैंपियरगंज के तहसीलदार के पेशकार को रंगे हाथों घूस लेते गिरफ्तार किया गया है। सूचना पर एंटी करप्शन की टीम ने घेराबंदी की थी। पहले से तय प्लान के मुताबिक जैसे ही पेशकार अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने घूस की रकम हाथ में पकड़ी, टीम ने रंगे हाथों मौके से ही हिरासत में ले लिया। टीम हिरासत में लेकर पीपीगंज थाने आई। थाने में केस दर्ज करवाकर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

स्टेज पर चढ़ नर्तकियों से की छेड़छाड़, किया विरोध, रास्ते में रोककर किया जानलेवा हमला

संवाददाता–गोरखपुर। क्षेत्र के रायगंज गांव में एक तिलक समारोह के दौरान कार्यक्रम प्रस्तुत कर रही नर्तकियों से छेड़खानी और विरोध करने पर ईंट–पत्थर से हमला करने का मामला सामने आया है। एक नर्तकी की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही एक युवक के खिलाफ नामजद समेत चार–पांच अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। बांसगांव के कौड़ीराम इलाके की रहने वाली युवती की तहरीर के अनुसार, खोराबार के रायगंज में 27 जनवरी को एक तिलक समारोह में उनकी डांस पार्टी गई थी। डांस प्रोग्राम चल रहा था। इसी दौरान गांव का श्रीराम यादव पुत्र नारद यादव व उसके घर के कुछ मनबढ़ युवक स्टेज पर चढ़ कर उसके व साथ में डांस कर रही एक अन्य नर्तकी से छेड़खानी करने लगे। मना करने पर धमकी भी दी। देर रात प्रोग्राम बंद होने के बाद जब वे अपने वाहन से घर लौट रहे थे तो रायगंज बंगला चौराहे पर घात लगाए श्रीराम व उसके साथियों ने उनकी गाड़ी रोक ली और ईंट–पत्थर से हमला कर दिया। इस हमले में उनका गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई और उसे व साथी डांसर को चोटें आईं। युवती की तहरीर पर पुलिस ने श्रीराम व अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। नर्तकियों से दो बार पहले भी दरिंदगी हो चुकी है। एक घटना गोरखपुर के एकला बंधे के पास और दूसरी कुशीनगर के कप्तानगंज क्षेत्र में हुई थी। पंचायत की रहने वाली दो युवतियां बांसगांव इलाके में किराये का कमरा लेकर रहती थी।बाइक से लौट रही युवतियों को एकला बंधे के पास जबरन उठाकर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। पांच आरोपितों के नाम सामने आए थे, इसके बाद पुलिस ने अगली सुबह ही मुख्य आरोपित नीरज जायसवाल को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया था। वह पुलिस की गोली से घायल हो गया था। इसके बाद ही अन्य आरोपित भी पकड़े गए थे।

प्रयाग से लौटे लोगों ने बयां किया मंजर, हादसे के बाद दर्दनाक हुए हालात, घंटों बाद मिले साथी

संवाददाता–अयोध्या। महाकुंभ से लौटकर अयोध्या दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के हालात की जानकारी दी। बहुत सारे लोग बिना स्नान किए ही लौट आए। जो स्नान कर पाए उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए जूझना पड़ा। कुछ श्रद्धालु ट्रेन में ही 10 से 11 घंटे तक फंसे रहे, क्योंकि ट्रेन विलंब से आ रही थी। वहीं श्रद्धालुओं को 25 किलोमीटर तक पैदल चलने को विवश होना पड़ा। बिहार के छपरा निवासी उत्तम सिंह ने बताया कि वे ट्रेन में करीब 11 घंटे फंसे रहे। भगदड़ की वजह से कुछ ट्रेनों को डायवर्ट कर दिया गया है, जिससे ट्रेनें विलंब से पहुंच रही हैं। वे जिस ट्रेन में थे वह 11 घंटे विलंब से पहुंची थी। ट्रेन में लंबे समय तक फंसे रहने से घबराहट हो गई थी। मेला क्षेत्र में पहुंचे तो स्थिति सामान्य थी, लेकिन संगम तट की ओर नहीं जाने दिया जा रहा था। दिल्ली निवासी कौशल तो बिना स्नान किए ही वापस लौट आए। बताया कि जिस समय भगदड़ हुई हम लोग एक कैंप में रुके हुए थे। भगदड़ की बाद स्थिति बिगड़ गई। मौनी अमावस्या पर इतनी भीड़ थी कि पैदल चलना भी मुश्किल था, हमारी हिम्मत नहीं हुई, बिना स्नान किए ही लौट आए हैं।

गोंडा निवासी विजय मिश्र बोले कि ट्रेन देर से मिल रही है। काफी दूरी तक पैदल चलना पड़ रहा है। कानपुर से आए अंकित ने बताया कि वीआईपी प्रोटोकाल के चलते भगदड़ जैसे हालात बने। लोग बेरिकेडिंग पार कर कूदने लगे थे, जिससे स्थिति अनियंत्रित हो गई। हालांकि जल्द ही स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया, फिलहाल अभी हालात ठीक हैं।

प्रयागराज से लौटे आकाश, शिववर्धन, अभिजीत, विनायक व केदार भगदड़ के बाद नौ घंटे तक मेला क्षेत्र में फंसे रहे। आकाश ने बताया कि स्थिति भयावह थी। सेक्टर नंबर छह पर एक नाला था, उसमें तीन–चार महिलाओं का शव पड़ा था। उधर से ही भीड़ गुजर रही थी, चीख–पुकार मची थी। लोग लापता हुए अपनों की तलाश कर रहे थे। वहां करीब डेढ़ घंटे तक फंसे रहे। इसी बीच भीड़ में हम एक दूसरे से बिछड़ गए। तीन–चार घंटे बाद बिछड़े साथी मिले। पार्किंग 25 किलोमीटर दूर थी, पैदल चलकर पहुंचे थे। प्रयागराज से अयोध्या तक 200 किमी की दूरी तय करने में आठ घंटे लग गए।

मुंबई निवासी गिरीश व श्रीकांत प्रयागराज से लौटकर रामलला के दर्शन करने पहुंचे थे। बताया कि पांच बजे प्लाइट है। रामलला के दर्शन करने में समय लगेगा, अयोध्या की धरती को प्रणाम कर ही वापस जा रहे हैं। बताया कि वे 29 की सुबह 5रू30 बजे प्रयागराज पहुंचे। गंगाघाट तक आराम से पहुंच गए थे, लेकिन संगम तट तक इस समय पहुंचना मुश्किल है। संगम की ओर जाने वाले सारे रास्ते बंद कर दिए गए हैं। पुल नंबर 18 से गंगा तट पहुंचे लेकिन निकासी पुल नंबर 19 से हुई। पार्किंग तक पहुंचने के लिए करीब 25 किलोमीटर पैदल चलना पड़ा।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बाबत इत्तिला तारीख मुकर्रर समायत अपील
अपील सं0– 429 / 2023
कंप्यवाद सं0– C202317000000429
अदालत– श्रीमान आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती
बुद्धिराम आदि
बनाम
श्रीमती कमला देवी आदि
1. श्रीमती कमला देवी पत्नी राजेन्द्र साकिन कुआं तप्पा बेलघाट परगना धुरियापार तहसील खजनी जिला–गोरखपुर हाल मुकाम ग्राम बल्लीपट्टी तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 07–03–2025
अपील बनराजी के विरूद्ध अदालत उप जिलाधिकारी मुकाम बस्ती मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 07 महीना 03 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर हो है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 309 / 2024
शिवदास –सायलान
1. शिवदास उम्र 58 वर्ष 2. शिव प्रसाद आयु 56 वर्ष 3. लाल बहादुर आयु 54 वर्ष 4. शेषराम आयु 47 वर्ष पुत्रगण स्व0 रामफेर निवासीगण ग्राम पड़िया तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 18–03–2025
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद
हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 18–03–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान अपर जिला जज / एफ0टी0सी0 द्वितीय महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 75 / 2019
मूलवाद सं0– 118 / 86
लक्ष्मी प्रसाद आदि
बनाम
अशर्फी लाल आदि
1. ओम प्रकाश 2. दिनेश कुमार 3. उमेश कुमार पुत्रगण स्व0 अशर्फी लाल साकिनान मौजा ककुआ उर्फ ओझागंज तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 07–03–2025
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 07 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 884 / 2015
न्यायालय–श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
राम सुमेर आदि
बनाम
अनिल कुमार निषाद आदि
1. अनिल कुमार निषाद पुत्र गौरी शंकर व दत्तक पुत्र मुरलीधर 2. सदानन्द 3. गुड्डू 4. दयाल पुत्रगण श्री हरिकृष्ण ओझा 5. केशव पुत्र गोपाल निवासीगण ग्राम लखनौरा चाई पुरवा निकट रेलवे स्टेश बस्ती तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरब पोस्ट पुरानी बस्ती तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 15–02–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

नदी में उतराया मिला बुजुर्ग का शव

संवाददाता–गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के बरहुआ गांव के पास राप्ती नदी में गुरुवार को बुजुर्ग का उतराता हुआ मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने में जुटी हुई है। जांच में बुजुर्ग की उम्र लगभग 60 वर्ष बताई जा रही है। शरीर पर ब्राउन कलर का लोअर पहना है। दाएं हाथ पर ओम का टैटू व विनोद लिखा है। आशंका जताई जा रही है शव बाहरी है। मौनी अमावस्या के नदी में नहाने गया होगा और डूब गया होगा।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com